एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

(प्राचीन एवं मध्यकाल)

पाठ्य विषय : पाँच इकाइयों में विभक्त होगा – 100 अंक

इकाई – I

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, इतिहास दर्शन, स्रोत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण, आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक साहित्य, जैन साहित्य।

आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई – II

भक्ति अन्दोलन के उदय के सामाजिक सांस्कृतिक कारण, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य।

भक्तिकाल : स्वरूप और भेद–निर्गुण और सगुण का संबंध – साम्य और वैषम्य।

निर्गुण भक्ति : वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि – कबीर, नानक, दादू, रैदास। निर्गुण काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, निर्गुण काव्य की सामाजिक चेतना।

भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रन्थ, सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व।

Helpstudentpoint.com

इकाई – III

कृष्ण काव्य : अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, गीत परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य। प्रमुख कवि – सूरदास, मीरा, रसखान। वल्लभाचार्य का योगदान।

रामकाव्य : राम कथा और तुलसीदास, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ और मध्ययुग के संतों का सामान्य विश्वास, प्रेम ही परम पुरुषार्थ, गुरु का महत्त्व, नाम माहात्म्य, आत्मसमर्पण।

भक्तीतर काव्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

भक्ति आन्दोलन का महत्त्व, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, लौकिकता, धार्मिक समन्वय, पाखण्ड निषेध, जीवन का साहित्य।

इकाई – IV

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, कवि समय और कवि प्रसिद्धि।

ऐहिकतापरक काव्य का आविर्भाव, सतसई परम्परा, आभीर गणों के साथ संबंध।

इकाई – V

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाव्य में लोक जीवन, मध्यकालीन काव्य में मुसलमान कवियों का योगदान।

रीतिकाल का महत्त्व, रीतिकालीन गद्य एवं अन्य साहित्य।

प्रथम प्रश्न–पत्र

सहायक ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल

Helpstudentpoint.com

नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी

राजकमल प्रकाशन, 1, बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110002

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. – डॉ. नगेन्द्र

मयूर पेपर बैक्स, ए–95, सेक्टर–5, नोएडा – 201301

4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह

राधाकृष्ण प्रकाशन, 2/38 अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002

5. हिन्दी साहित्य : स्वरूप एवं संवेदना – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

लोक भारती, 15 ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद–1

6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय – विश्वनाथ त्रिपाठी,

एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

7. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. परम्परा और मूल्यांकन – रामविलास शर्मा

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

10. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीलाल वैरागी

संघी प्रकाशन, सी–177, महावीर मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर–302017

Helpstudentpoint.com

द्वितीय प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

पाठ्य विषय – पाँच इकाइयों में विभक्त होगा। 100 अंक

इकाई – I

आधुनिकता – अर्थ एवं स्वरूप, 1857 की क्रांति और पुनर्जागरण, नया आर्थिक सामाजिक ढाँचा : नए संबंध।

भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

द्विवेदीयुगीन गद्य की प्रवृत्तियाँ।

इकाई – II

स्वच्छन्दतावाद और छायावाद। छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, व्यक्तिवाद, नवीन सौन्दर्यबोध, कल्पना, मुक्त छन्द और स्वातंत्र्य चेतना, छायावाद के प्रमुख कवि – जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानन्दन पंत, निराला, महादेवी वर्मा।

प्रगतिवादी, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई – III

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का इतिहास, परिचय एवं विकास। उपन्यास, कहानी, नाटक एवं अन्य विधाएँ।

प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास, हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानी आन्दोलन, हिन्दी नाटक और रंगमंच।

हिन्दी की अन्य विधाएँ – निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य और जीवनी, रिपोर्ताज।

Helpstudentpoint.com

इकाई–IV

हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास।

प्रमुख आलोचकों का योगदान – रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्द दुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा।

इकाई–V

उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय, दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

हिन्दी साहित्य के विकास में पत्र–पत्रिकाओं का योगदान : प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ – हरिश्चन्द्र चन्द्रिका, सरस्वती, चाँद, हिन्दी प्रदीप, हंस (सं. प्रेमचन्द), कल्पना, प्रतीक, ज्ञानोदय, समालोचना, सारिका, आलोचना, पहल, हंस (सं. राजेन्द्र यादव), तद्‌भव एवं कथादेश।

सहायक ग्रन्थ –

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
   लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवन सिंह
   लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
   वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरिजागंज, नई दिल्ली – 110002
4. हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी

Helpstudentpoint.com

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली

7. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय

वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

8. आलोचक और आलोचना – कमला प्रसाद

आधार प्रकाशन, एस.सी.एफ., 267, सेक्टर 16, पंचकूला – 134113

9. उर्दू पर खुलता दरीचा – गोपीचंद नारंग

वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

10. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – एहतेशाम हुसैन

लोक भारती, इलाहाबाद

11. दक्खिनी हिन्दी का आलोचनात्मक इतिहास – इकबाल अहमद

लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

12. आलोचना – सम्पादक – अरुण कमल

राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. ए 1 बी., नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली–110002

13. पहल, सम्पादक – ज्ञानरंजन

101, रामनगर, आधारताल, जबलपुर – 482004

14. हंस, सम्पादक – राजेन्द्र यादव

अक्षर प्रकाशन प्रा.लि., 2/36, अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली–110002

15. तद्भव, सम्पादक – अखिलेश

18/201, इन्दिरानगर, लखनऊ – 226016

Helpstudentpoint.com

तृतीय प्रश्न–पत्र : साहित्य शास्त्र

पाठ्य विषय – पाँच इकाइयों में विभक्त होगा। – अंक – 100

इकाई – I

साहित्य की परिभाषा, तत्त्व एवं उद्देश्य।

काव्य के लक्षण – काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई – II

भारतीय साहित्य सिद्धान्त – रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य।

रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

इकाई – III

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त – प्लेटो और अरस्तू, अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त, लौंजाइनस का उदात्त तत्त्व, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

मार्क्सवादी आलोचना : विचार प्रणाली और साहित्य।

इकाई – IV

आधुनिक हिन्दी समीक्षा के प्रमुख रूप – शास्त्रीय, स्वच्छन्दतावादी, प्रगतिवादी और नयी समीक्षा।

इकाई – V

मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ – विडम्बना, अजनबीपन, विसंगति, अन्तर्विरोध, विखण्डन

स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

Helpstudentpoint.com

सहायक ग्रंथ –

1. भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा – डॉ. नगेन्द्र

   नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली –110002

2. काव्य शास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र

   विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी – 221001

3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिंह

   हरियाणा साहित्य अकादमी, 1563, सेक्टर 18, डी, चण्डीगढ़–160018

4. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – डॉ. बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. कृष्णदेव झारी

   शारदा प्रकाशन, एफ 3/16, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा

   मयूर पेपर बैक्स, नोएडा

7. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, कुसुम बांठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

8. साहित्य निबन्ध – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

   लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Helpstudentpoint.com

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – आधुनिक काव्य

पाठ्य पुस्तकें – अंक – 100

1. मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' नवम् सर्ग

   वितरक – के.एल. मलिक एण्ड संस प्रा. लि.

   23, दरियागंज, नयी दिल्ली–110002

2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी, श्रद्धा संर्ग

   वितरक – नेशनल पेपर बैक्स, 2/35 अंसारी रोड, दरियागंज, नयी दिल्ली–110002

3. रामधारी सिंह दिनकर : 'कुरुक्षेत्र' तृतीय सर्ग

   प्रकाशक – नेशनल पेपर बैक्स, नई दिल्ली

4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : राम की शक्ति पूजा

   पुस्तक – 'राग विराग' सं. रामविलास शर्मा, विद्यार्थी संस्करण, लोकभारती,

   15 ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद

5. गजानन माधव मुक्तिबोध : 'अंधेरे में'

   पुस्तक – प्रतिनिधि कविताएँ – मुक्तिबोध (पेपर बैक), राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. स.ही.वात्स्यायन 'अज्ञेय' – 'असाध्य वीणा'

   पुस्तक – अज्ञेय और उनकी असाध्य वीणा (पेपर बैक) – रमेशचन्द्र शाह, नेशनल पेपर बैक, नई दिल्ली

Helpstudentpoint.com

पाठ्य विषय – पाँच इकाइयों में विभक्त होगा।

इकाई – I

'साकेत' के नवम् सर्ग की व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – II

'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग की व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – III

'कुरुक्षेत्र' के तृतीय सर्ग तथा 'राम की शक्तिपूजा' की व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – IV

'अंधेरे में' तथा 'असाध्य वीणा' की व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई – V

हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नयी कविता।

सहायक ग्रन्थ –

1. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. निराला की साहित्य साधना, भाग – 2, रामविलास शर्मा
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह
   लोकभारती, इलाहाबाद

Helpstudentpoint.com

4. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र

नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

5. दिनकर – सावित्री सिन्हा (सं.)

राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

6. साकेत : एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र

नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

7. अंतःस्थल का पूरा विप्लव : अंधेरे में – निर्मला जैन (सं.)

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8. कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. अज्ञेय का काव्य – प्रणय कृष्ण

आधार प्रकाशन, एस.सी.एफ. 267, सेक्टर–16, पंचकूला–134113

10. जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद साही

आधार प्रकाशन, पंचकूला

11. निराला का काव्य – डॉ. बच्चन सिंह

आधार प्रकाशन, पंचकूला

12. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा – डॉ. नंदकिशोर आचार्य

वाग्देवी प्रकाशन, सुगन निवास, चन्दनसागर, बीकानेर – 334001

13. निराला और मुक्तिबोध चार लम्बी कविताएँ – नंदकिशोर नवल

राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

14. मुक्तिबोध : कवि–छवि – नन्दकिशोर नवल (सं.)

Helpstudentpoint.com

नीलाभ प्रकाशन, 5 खुसरोबाग रोड, इलाहाबाद

15. कामायनी परिशीलन – नन्दकिशोर नवल (सं.)

अनुपम प्रकाशन, अशोक राजपथ, पटना – 800004

16. कविता के सौ बरस – लीलाधर मण्डलोई (सं.)

शिल्पायन, 10295, गली नं. 1, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली–110032

●●●

Helpstudentpoint.com

पंचम प्रश्न–पत्र : कथा साहित्य

पाठ्य पुस्तकें – अंक – 100

1. हरिचरण शर्मा : 'कथा दशक' पुनीत प्रकाशन, 28–29, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर
2. प्रेमचन्द : 'गोदान' हंस प्रकाशन, 18 न्याय मार्ग, इलाहाबाद
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अज्ञेय : 'शेखर एक जीवनी', भाग–1, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा
5. मन्नू भण्डारी : 'स्वामी', मयूर पेपर बैक्स, नोएडा

पाठ्य विषय – पाँच इकाइयों में विभक्त होगा।

इकाई – I

'कथा दशक' से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई – II

'गोदान' से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई – III

'बाणभट्ट की आत्मकथा' से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई – IV

'शेखर एक जीवनी' और 'स्वामी' से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई – V

हिन्दी कहानी और उपन्यास की विकास यात्रा – प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास, प्रेमचन्द – प्रसाद युग, प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास, समकालीन उपन्यास परिदृश्य।

Helpstudentpoint.com

प्रेमचन्द – प्रसाद का कहानी साहित्य, प्रेमचन्दोत्तर कहानी, नयी कहानी, अकहानी, समांतर कहानी, प्रगतिशील–जनवादी कहानी, समकालीन कहानी परिदृश्य।

सहायक ग्रन्थ

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अधूरे साक्षात्कार – नेमिचन्द्र जैन
   वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव
   वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचन्द्र और युग – रामविलास शर्मा
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन – इन्द्रनाथ मदान (सं.)
   नीलाभ प्रकाशन, 5, खुसरोबाग रोड, इलाहाबाद
6. प्रेमचन्द की विरासत और गोदान – शिव कुमार मिश्र
   अभिव्यक्ति प्रकाशन, बी–31, गोविन्दपुर कॉलोनी, इलाहाबाद–4
7. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. शांति निकेतन से शिवालिक तक – शिवप्रसाद सिंह
   नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
9. अज्ञेय : एक अध्ययन – भोलाभाई पटेल
   वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Helpstudentpoint.com

10. उपन्यास : स्थिति और गति – चन्द्रकान्त बांदिवडेकर

वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

11. अठारह उपन्यास – राजेन्द्र यादव

राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

12. शेखर एक जीवनी : विविध आयाम – डॉ. रामकमल राय (सं.)

अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

13. कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

14. हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश – मधुरेश

आधार प्रकाशन, पंचकूला

15. कथा साहित्य के सौ बरस – विभूति नारायण राय (सं.)

शिल्पयान, 10295, लेन नं. 1 वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली–110032

16. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

17. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – आनन्द प्रकाश

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

•••

Helpstudentpoint.com